

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर साचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग

देहरादून: दिनांक 22 सितम्बर, 2004

विषय अल्मोड़ा जलोत्सारण योजना जोन-III के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप सलाहकार, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, सीपीएचईईओ के पत्र सं०- क्यू-12047/1/2004-सीपीएचईईओ, दिनांक 07 जुलाई, 2004 द्वारा अल्मोड़ा जलोत्सारण योजना जोन-III के प्राक्कलन ₹0 810.00 लाख पर तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गयी है। भारत सरकार से प्राप्त तकनीकी स्वीकृति के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल उक्त योजना पर चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में व्यय हेतु ₹0 4,00,00,000/- (₹0 चार करोड़ मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक उत्तरांचल पेयजल निगम के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत कस्के यथा आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी एवं आहरण से सम्बन्धित वाउचर एवं दिनांक की सूचना आहरण के तुरन्त बाद शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिये स्वीकृति प्रदान की जा रही है। ऐसे कार्यों पर धनराशि कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा विवादग्रस्त है।

4- स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में दिनांक 31 मार्च 2005 तक किया जाना सुनिश्चित करें। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

5- कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों के विस्तृत आगणन एवं मानचित्र गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किये जायेंगे।

कमश: 2

Qw

6- कार्यों में सैटेज चार्ज वर्तमान में प्रचलित शासकीय दर से नियमानुसार ही लिया जायेगा जो कि किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा । यदि इससे अधिक सैटेज चार्ज लिया जाना पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

7- सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन आवश्यक है । जिन मदों का प्राविधान बाजार भाव से किया गया है उनका कय नियमानुसार ही किया जायेगा ।

8- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाइनेंशियल हैंडबुक नियमों तथा स्थाई आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।

9- उक्त योजना हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग होने तथा वित्तीय/भौतिक प्रगति तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्राप्त होने के उपरान्त ही अगली किस्त अवमुक्त की जायेगी ।

10- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर परचेज रूलस, डीओ, एसओएंड डीओ, टेंडर और अन्य समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन किया जायेगा ।

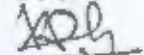
11- यदि वित्तीय वर्ष के अन्त में कोई धनराशि अवशेष रहती है और वह बैंक में रखी जाती है तो उस पर समय-समय पर अर्जित ब्याज को राजकोष में जमा करके उसकी सूचना शासन को भी दे दी जायेगी ।

12- उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के विपरीत कार्य की मासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जाता रहेगा और योजना के पूर्ण होने पर इसका उपयोगिता प्रमाणपत्र राज्य सरकार/भारत सरकार को भी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

11- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-02-मल निकासी एवं सफाई- आयोजनागत-107-मल निकासी सेवायें-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0101- अल्मोड़ा में सीवरेज सिस्टम का निर्माण (100% के०स०) -42-अन्य व्यय "के नामे खला जायेगा ।

8- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-1215/वि०अनु०-3/ 2004 दिनांक 18 सितम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय



(कुंवर सिंह)

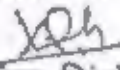
अपर सचिव

संख्या:-2079 (1)/उत्तीस/04/02-(14पे0)/2004 तददिनांक

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार,उत्तरांचल,देहरादून ।
- 2- आयुक्त,कुमायूँ मण्डल नैनीताल ।
- 3- जिलाधिकारी देहरादून/अल्मोड़ा
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून ।
- 5- मुख्य अभियंता,उत्तरांचल पेयजल निगम (कुमायूँ) नैनीताल ।
- 6- मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जलसंस्थान,देहरादून ।
- 7- वित्त अनुभाग-3/वित्त बजट सैल/नियोजन अनुभाग ।
- 8- उपसलाहकार, शहरी विकास मंत्रालय,भारत सरकार,सीपीएचईईओ,निर्माण भवन नई दिल्ली ।
- 9- निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री जी ।
- 10- निदेशक एन०आई०सी०सचिवालय परिसर,देहरादून ।

आज्ञा से


(कुवर सिंह)

अपर सचिव